भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
07.12.2022 के
अतारांकित प्रश्न सं. 118 का उत्तर

टिकट किराए में वृद्धि

118. श्री डी.एम. कथीर आनन्द:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि टिकट किराये में वृद्धि और कम किराए वाली यात्री रेलगाड़ियों की संख्या कम होने के कारण रेल सेवाएं गरीब लोगों की पहुंच से दूर होती जा रही हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा गरीब लोगों को सस्ती और सुलभ रेल सेवाएं प्रदान करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं; और

(ग) क्या यह सच है कि उत्तर भारतीय राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश, हरियाणा और बिहार की तुलना में दक्षिण भारतीय राज्यों विशेषकर तमिलनाडु में गरीब रथ और जन शताब्दी रेल सेवाएं बहुत कम हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके कारण क्या हैं?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

s.k

टिकट किराए में वृद्धि के संबंध में दिनांक 07.12.2022 को लोक सभा में श्री डी.एम. कथीर आनन्द के अतारांकित प्रश्न सं. 118 के भाग (क) से (ग) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) और (ख): रेल किरायों को किफायती बनाने के लिए उन्हें अत्याधिक सब्सिडी दी जाती है।

रेलें विभिन्न प्रकार की गाड़ी सेवाएं चला रही हैं जैसे उपनगरीय लोकल/साधारण, अनुपनगरीय लोकल/साधारण, मेल/एक्सप्रेस, सुपरफास्ट गाड़ियां, गरीब रथ, गतिमान, राजधानी, शताब्दी, दुरंतो, महामना, वंदे भारत, हमसफर, तेजस, तत्काल किराया, विशेष प्रभारों पर विशेष गाड़ियां आदि।

तदनुसार, समाज के सभी वर्गों को सस्ती रेल परिवहन सेवाएं प्रदान करने के लिए विभिन्न कोटियों की गाड़ी सेवाओं के लिए अलग-अलग किराया संरचनाएँ हैं।

(ग): भारतीय रेलें राज्य-वार आधार पर गाड़ी सेवाएं नहीं चलाती हैं क्योंकि रेल नेटवर्क राज्य की सीमाओं के आर-पार फैला हुआ है। बहरहाल, दक्षिण रेलवे, जो मुख्य रूप से तमिलनाडु राज्य में स्थित स्टेशनों को सेवित करता है, 2 जोड़ी गरीब रथ एक्सप्रेस और 4 जोड़ी जनशताब्दी एक्सप्रेस सेवाएं संचालित करती है।

****

s.k